बहू के साथ शारीरिक सम्बन्ध-2

“बहू की चूत काफी चिकनी थी. मैंने दो तकिये कमर के नीचे लगा कर उसकी चूत के मुहाने को लंड से सहलाते हुए कहा- बेटी, आज थोड़ा तुम्हें दर्द, जलन होगी, तैयार हो ना ? ...”

Story By: शरद सक्सेना (saxena1973)
Posted: Thursday, December 5th, 2019
Categories: रिश्तों में चुदाई
Online version: बहू के साथ शारीरिक सम्बन्ध-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बहू के साथ शारीरिक सम्बन्ध-2

 यह कहानी सुनें

दूसरे दिन मैं सात बजे अपना सामान लेकर बाहर आया तो देखा एक बैग और भी है और सायरा के पापा ऑटो लेकर आ चुके थे। उधर सायरा भी नारी सुलभ परिधान में तैयार होकर आ चुकी थी और अपने मां-बाप से विदाई लेकर मेरे साथ हो ली।
हमने अपने शहर के लिये बस पकड़ी। हम दोनों के बीच इस बीच कोई बातचीत नहीं हुयी।

बस चल चुकी थी और हम दोनों के हाथ आपस में टकरा रहे थे। कई किलोमीटर तक हम लोग बिना बातचीत के यात्रा करते रहे। लेकिन मेरे शब्दों को सायरा ने पकड़ा या नहीं … यह मुझे जानना था.
इसलिये मैंने सायरा का हाथ लिया और उसको सहलाते हुए पूछा- सायरा थैंक्स, तुम्हारे इस अहसान का बदला नहीं चुका पाऊंगा। लेकिन एक बात जाननी है मुझे कि जो कुछ मैंने कहा, उसका आशय ही समझ कर मेरे साथ आयी हो ना ?
मेरी पुत्रवधू में मेरी तरफ देखा और कहा- कहते हैं ना कि आदमी हो या औरत … अपना भाग्य खुद बनाती है. और आज मैं भी अपना भाग्य खुद बनाने आपके साथ चल रही हूं. या फिर मैं अपने मां-बाप पर दुबारा वो बोझ नहीं डालना चाहती।

“नहीं सायरा, अगर ऐसी बात हो तो तुम मेरे बेटे से तलाक ले सकती हो और तुम अपने माँ-बाप पर बोझा भी नहीं डालोगी, मैं तुम्हारा पूरा खर्च उठाऊंगा।”
“तब फिर आपने ऐसा क्या पाप कर दिया कि आप हर जगह पैसा भी खर्च करें और हाथ भी आपका खाली रहे और बदनामी भी आपको ही मिले ?”
“तो फिर मैं समझूँ कि तुम्हारे मन में किसी प्रकार का बोझ नहीं है ?”

उसने मेरी तरफ देखा, फिर बस में चारों ओर देखा और मेरे हाथ को चूमते हुए बोली- पापा, यह सबूत है कि मुझे कोई अफसोस नहीं है।
तब मैंने भी सायरा के हाथ को चूमते हुए कहा- सायरा, समाज के सामने हमारे रिश्ते जो भी हों लेकिन आज से हम एक-दूसरे के दिल में रहेंगे, बस तुम्हें धैर्य रखना होगा. क्योंकि मैं चाहता हूं कि जैसा तुमने अपनी सुहागरात के सपना देखा होगा, उससे ज्यादा सुखद तुम्हारी सुहागरात हो।

फिर पूरे रास्ते हम दोनों के हाथ एक-दूसरे से अलग नहीं हुए।

हम दोनों घर पहुंचे, दरवाजा सोनू ने खोला। मेरे साथ सायरा को देखकर बहुत खुश हुआ। खुशी में उसने सायरा को कसकर अपनी बांहों में भर लिया। थोड़ी देर तक दोनों एक दूसरे से चिपके रहे और फिर सायरा अलग होते हुए मेरे सीने से चिपक गयी।
सायरा के देखा-देखी सोनू भी मेरे सीने से चिपक गया।
मेरा एक हाथ सोनू के सिर को सहला रहा था जबकि दूसरा हाथ सायरा के पीठ से लेकर चूतड़ तक सहला रहा था।

थोड़ी देर तक हम लोग बातें करते रहे। फिर सोनू को होटल से खाना लाने के लिये भेज दिया।
सोनू के जाते ही मैंने सायरा को पैसे निकाल कर देते हुए कहा- तुम अपने हिसाब से अपनी सुहागरात की तैयारी करो, जिस रात को मौका मिलेगा, उस रात तुम्हारे जीवन का सबसे सुखद दिन होगा।

धीरे-धीरे सायरा को आये 15-20 दिन बीत गये लेकिन कोई मौका हाथ नहीं लग रहा था।
बस रोज सुबह शाम सायरा की नजरें मुझसे सवाल करती रहती थी।
इस बीच हनीमून के बहाने सायरा और सोनू घूमने भी चले गये।

लेकिन शाम को फोन पर नमस्ते पापा की एक धीमी आवाज मेरे दिल में नश्तर की तरह चुभती थी। इस बीच मैंने न तो सायरा को छुआ और न ही सायरा ने मुझे छूने की कोशिश की.

इस तरह से दिन बीत रहे थे कि तभी एक दिन सोनू ने आकर बताया कि उसे उसके बॉस के साथ दूसरे दिन सुबह जाना है और दूसरी रात को वो वापिस आयेगा।
मेरे मन को सोनू की इस बात से बहुत खुशी मिली।

मैंने सायरा की तरफ देखा तो वो अपनी नजरें नीचे की हुयी अपने पैरों के नाखून से जैसे जमीन को खोद रही थी।

दूसरे दिन सोनू करीब 10 बजे घर से निकला. उसके जाते ही सायरा मुझसे चिपक गयी और बोली- पापा, आज की रात के लिये मैं न जाने कितनी रातों से बैचेनी से इंतजार कर रही थी।
“जाओ सायरा, तुम अपनी तैयारी करो और मैं अपना बेडरूम सजवाता हूं।”

फिर मैंने सायरा से उसके पैन्टी और ब्रा की साईज पूछी। सायरा ने बड़े ही सहजता से कहा- 80 साइज की ब्रा है और 85 साईज की पैन्टी है।

मैं घर के बाहर आ गया और सायरा को गिफ्ट करने के लिये एक सुन्दर सोने का हार खरीदा, उसके साईज की पैन्टी-ब्रा लिया और साथ ही ढेर सारे फूल लेकर मैं घर पहुंचा। ब्रा, पैन्टी और फूल मैंने सायरा को दे दिया। फूल देखकर सायरा बहुत खुश हुयी।

फिर मैंने सायरा को ब्यूटी-पार्लर जाने के लिये कहा।
बाहर जाते हुए सायरा बोली- पापा, आज आपको एक दुल्हन ही मिलेगी!
“और तुम्हें एक दूल्हा, जो तुम्हें आज रात एक कली से फूल और एक लड़की से औरत

बनायेगा।”

सायरा मेरी बात को सुनकर शर्माते हुए नजरें झुका कर बाहर निकल गयी।

इधर मैंने अपने बिस्तर पर सफेद चादर बिछाया और उस पर तीन चार प्रकार के फूल से ढक दिया। दो-तीन घंटे के बाद सायरा वापिस ब्यूटी पार्लर से आयी, उसके चेहरे पर चमक थी। अभी शाम को सात बजे थे। हम दोनों के मन में ही जिस्मानी मिलन की एक उत्सुकता थी। इसलिये हम दोनों ने खाना खाया और खाना खाने के बाद मैंने सायरा से कहा कि वह दुल्हन की पोशाक पहनकर मेरे कमरे में मेरा इंतजार करे।

करीब साढ़े आठ बजे के बाद मैं वापिस आया और शेरवानी पहनकर मैंने भी एक दूल्हे के गेटअप लिया. और अपने कमरे के दरवाजे को हल्के से खोलते हुए अन्दर आया.

दरवाजा बन्द करके अपने पलंग की ओर देखा, सायरा दुल्हन के वेश में अपने को सिकोड़ कर बैठी हुयी थी। कमरे की खुशबू आज ठीक वैसी ही थी जैसे मेरी सुहागरात के समय की थी।

मैं पलंग पर सायरा के पास बैठ गया और उसके हाथों पर अपने हाथ रख दिये। सायरा के लिये शायद इस तरह से मेरा उसके हाथ को छूने का पहला मौका था इसलिये उसने अपने आपको और समेट लिया।

एक बार फिर मैंने उसके हाथ को पकड़ा एक बार वो फिर पीछे हुयी। मैंने उसका घूंघट उठाते हुए उसकी ठुड्डी को उठाया, पलकें अभी भी सायरा ने झुका रखी थी।
मैंने सायरा से कहा- सायरा तुम बहुत सुन्दर लग रही हो।

मेरा इतना बोलना था कि सायरा की नजरें मेरी तरफ उठी.
ठीक उसी समय मैंने सायरा को उस सोने के हार का सेट देते हुए कहा- इस खूबसूरत दुल्हन

का गिफ्ट।
अब सायरा की नजर उस हार पर ही थी.
मैंने पूछा- कैसा लगा ?
बोली- बहुत खूबसूरत।

इसके बाद मैं सायरा के सीने पर अपने सिर टिका कर उसके दिल की धड़कन सुनने लगा. उसका दिल बहुत ही तेज धड़क रहा था और सांसें भी काफी तेज चल रही थी।

उसके बाद मैंने उसके सर से पल्लू हटाते हुए उसकी नथ उतारी और धीरे-धीरे उसके बदन से सारे गहने उतार कर किनारे रखकर सायरा को अपनी बाहों में भर लिया. सायरा ने भी मुझे कस कर अपनी बांहों से जकड़ लिया।

मैंने सायरा से पूछा- सायरा, तुम तैयार हो ?
“हूम्म !” मेरी पुत्रवधू ने एक संक्षिप्त उत्तर दिया।

मैंने धीरे-धीरे सायरा को बिस्तर पर लेटाया और उसके सीने से साड़ी हटाते हुए उसके सीने को चूमते हुए पेटीकोट में फंसी साड़ी को हटाया और पेटीकोट का नाड़ा खोलकर अपना हाथ उसके अन्दर डालते हुए उसकी चूत पर फिराने लगा.

सायरा की चूत गीली हो चुकी थी। मैंने उसके कान को दांतों के बीच फंसाते हुए कहा- सायरा तुमने तो पानी छोड़ दिया।
सायरा बोली- आज सुबह से केवल आपके बारे में सोच रही थी। मैं कितना बर्दाश्त करती, जैसे ही आपने मुझे छुआ, मैं गीली हो गयी। प्लीज आप ऐसा करते रहिये, आपका इस तरह सहलाना मुझे बड़ा अच्छा लग रहा है.

इतना कहकर सायरा ने अपने पैरों को सिकोड़ते हुए अपनी टांगों के बीच थोड़ा गैप बना

दिया।

सायरा की चूत गीली हुयी तो क्या हुआ, मेरे हाथ अभी भी उसके अनारदाने को मसल रहे थे और उंगली को अन्दर डालने का प्रयास कर रहे थे।

फिर मैंने उसके ब्लाउज के ऊपर से ही उसके खरबूजे को बारी-बारी मैं अपने मुंह में लेता और मसलता। फिर मैंने सायरा के ब्लाउज और ब्रा को उसके जिस्म से अलग किया और उसके छोटे-छोटे दानो पर अपनी जीभ चलाते हुए उसके खरबूजे को मसलता था और बीच-बीच में दानों को काट लेता था। वो सीईईई करके रह जाती थी। मैं उसकी नाभि उसके पेट पर जीभ फिराता।

मैं अभी भी यही कर रहा था कि सायरा बोली- पापा, चुनचुनाहट हो रही है, प्लीज कुछ करिये ना!
बस इतना कहना था कि मैंने सबसे पहले अपने आपको नंगा किया और फिर अपनी बहू सायरा के बचे-खुचे कपड़े हटाकर उसको नंगी किया और उसकी टांगों के बीच आकर बैठ गया।

बहू की चूत काफी चिकनी थी लेकिन मैं इस समय सायरा से कुछ पूछना नहीं चाहता था। बस मैंने इतना किया कि दो तकिये लिये और सायरा की कमर के नीचे लगा कर उसकी कमर को अपनी कमर की ऊंचाई तक उठाया और उसके चूत के मुहाने को लंड से सहलाते हुए कहा- सायरा, आज थोड़ा तुम्हें दर्द, जलन होगा, तैयार हो ना?
“पापा, आप करो, जो भी होगा, मैं बर्दाश्त करूँगी।” मेरी बहू ने कहा.

बस इतना ही कहना था, मैं सायरा के ऊपर झुका, अपने लंड को पकड़कर सायरा की चूत में ताकत के साथ अन्दर डालने लगा.
जैसे-जैसे सायरा की चूत मेरे लंड को अन्दर लेने के लिये जगह बना रही थी, वैसे-वैसे

सायरा का चिल्लाना शुरू हो चुका था। वो मुझे नोच खसोट रही थी और मुझे धक्का देकर अपने ऊपर से हटाने की कोशिश कर रही थी, पर मैं उसकी सभी बातों को अनसुना करते हुए लंड को धीरे-धीरे उसकी चूत के अन्दर डालता ही जा रहा था।

तभी सायरा की रूंधी हुयी आवाज आयी- पापा, रहने दो, बहुत दर्द हो रहा है। मैं बर्दाश्त नहीं कर पा रही हूं, मैं मर जाऊंगी, प्लीज छोड़ दो-प्लीज छोड़ दो।
लेकिन मैंने उसकी किसी बातों पर ध्यान नहीं दिया और लंड को पूरा चूत के अन्दर डाल दिया।
उसकी सील टूट चुकी थी क्योंकि मेरा लंड चिपचिपाने लगा था।

फिर मैंने रूक कर उसके आंसू को, उसके होंठों को, उसकी छोटे-छोटे निप्पल पर बारी-बारी जीभ चलाता।

कुछ ही देर के बाद सायरा ने अपनी कमर उठानी शुरू की और अपनी कमर को हिला-डुला कर लंड को सेट करते हुए बोली- पापा, एक बार फिर चुनचुनाहट हो रही है।
अब तक सायरा दो-तीन बार अपनी कमर उचका चुकी थी।

मैं उसकी इच्छा को देखते हुए मैं धीरे-धीरे लंड को अन्दर बाहर करने लगा। अब उसकी चूत की सिकुड़न कम होने लगी और फैलाव आने लगा। जैसे-जैसे उसकी चूत में संकुचन में कमी और फैलाव में अधिकता होती जा रही थी, मेरी स्पीड भी बढ़ती जा रही थी।

उसके बाद रफ्तार ने जोर पकड़ा और सायरा की आवाज आने लगी- हाँ पापाजी, बहुत अच्छा लग रहा है, बस ऐसे ही कीजिए।
मेरी स्पीड बढ़ती जा रही थी। लंड और चूत के मिलन के थप-थप की आवाजों के गवाह मेरा कमरा बना जा रहा था।

सोनू के मम्मी के जाने के कई साल बाद चूत चोदने को मिल रही थी, वो भी सोनू की नाकामी की वजह से !

लेकिन अब मैं थकने लगा था और सांस भी फूलने लगी थी इसलिये मैंने सायरा के ऊपर अपना वजन डाला और उसके खरबूजों को बारी-बारी चूसता, उसके होंठों को चूसता, उसके कान काटता, सायरा भी मेरा साथ दे रही थी।
जब मैं अपने स्टेमिना पर काबू पा लेता तो फिर धकापेल शुरू हो जाता।

इस बीच दो बार मेरा लंड अच्छे से गीला हो चुका था, पर पता नहीं क्या बात थी कि लंड मुझसे धक्के पर धक्के लगवाये जा रहा था। जब-जब लगा कि अब मेरा माल निकलने वाला है, तब-तब लंड मुझे धोखा दे जाता, मुझे और कसरत करनी पड़ जाती।

खैर बकरे की अम्मा कब तक खैर मनाती … मेरे लंड ने पानी छोड़ना शुरू कर दिया। मुझे पता नहीं लगा कि कितना वीर्य निकला … लेकिन हुआ मजे का था। कई सालों से टट्टों में कैद था।
मैं हाँफते काँपते अपनी बहू सायरा के नंगे बदन के ऊपर गिर गया और जब तक मेरे महाराज उस छेद से बाहर नहीं निकले, मैं तब तक सायरा के ऊपर ही रहा.
फिर मैं उसके बगल में आकर लेट गया।

कहानी जारी रहेगी.
saxena1973@yahoo.com

Other stories you may be interested in

बहू के साथ शारीरिक सम्बन्ध-1

दोस्तो, आप सभी को मेरा हृदय से आभार है कि आप लोगों ने एक बार फिर से मेरे द्वारा लिखी गयी कहानी यौन वासना की तृप्ति आप सभी के द्वारा बहुत पसंद की गई। तो दोस्तो और सहेलियो, एक बार […]
Full Story >>>

आंटी की चूत चुदाई की प्यास बुझाई

दोस्तो, मैं आपका दोस्त गोविंद … फिर एक बार एक अपनी कहानी लेकर आया हूं. आशा करता हूं कि जिस तरह पिछली कहानी दोस्त की गर्लफ्रेंड को उसके घर पर चोदा में आपका प्यार मिला था, इस बार भी मिलेगा. […]
Full Story >>>

मस्त कामुक छोरियों की टोली

दोस्तो, मेरा नाम ए है, यानि कि आकांक्षा। आज मैं आपको अपनी एक कहानी बताने जा रही हूँ। अपनी और अपनी कुछ सहेलियों की। वैसे तो ये कहानी मैंने इंगलिश में लिखी थी, मगर बाद में मैंने सोचा कि इंगलिश […]
Full Story >>>

सेक्सी भाभी ने चुदाई के गुर सिखाये

नमस्कार मित्रो, मेरा नाम कुश (बदला हुआ) है. मैं सूरत (गुजरात) का रहने वाला हूं. मैं अन्तर्वासना पर सेक्स कहानियां पिछले 6 सालों से पढ़ रहा हूं. मुझे इसकी कहानियां बहुत पसंद हैं. अन्तर्वासना पर कुछ सेक्स स्टोरी तो मुझे […]
Full Story >>>

रिटायरमेंट के बाद सेक्स भरी मस्ती-2

इतवार का दिन था, ममता आज की छुट्टी ले चुकी थी, इसलिये मैंने खुद ही ब्रेड ऑमलेट बनाकर नाश्ता किया और चाय का मग लेकर ड्राइंग रूम में आ गया. हाथ में चाय का कप पकड़े मैं न्यूज पेपर पढ़ […]
Full Story >>>